



Literacy for a Billion

Movie: Ganga Jamuna

Year: 1961

लागा गोरी गुजरिया से
नेहा हमार
होई गवा सारा चौपट
मेरा रोजगार
ओ ...

नैन लड़ जई हैं
नैन लड़ जई हैं तो
मनवा मा कसक
होईबे करी

प्रेम का छुटि हैं
पटाका तो धमक
होईबे करी

नैन लड़ जई हैं तो
मनवा मा कसक
होईबे करी

रूप को मनमा बसैबा तो
बुरा का होई है
रूप को मनमा बसैबा तो
बुरा का होई है
तोहु से प्रीत लगैबा
तोहु से प्रीत लगैबा तो
बुरा का होई है
प्रेम की नगरी मा कुछ
हमरा भी हक

Song: Nain lad gayi re
Lyricist: Shakeel Badayuni

होईबे करी
प्रेम की नगरी मा कुछ
हमरा भी हक
होईबे करी

नैन लड़ जई हैं
नैन लड़ जई हैं तो
मनवा मा कसक
होईबे करी

प्रेम का छुटि हैं
पटाका तो धमक
होईबे करी

नैन लड़ जई हैं तो
मनवा मा कसक
होईबे करी

हाय
होई गवा मन मा मोरे
तिरछी नजर का हल्ला
होई गवा मन मा मोरे
तिरछी नजर का हल्ला
गोरी को देखे बिना
गोरी को देखे बिना
निंदिया ना आवे हमका
फाँस लगी है तो
करजवा मा खटक



Literacy for a Billion

होईबे करी
फाँस लगी है तो
करजवा मा खटक
होईबे करी

नैन लड़ जई हैं
नैन लड़ जई हैं तो
मनवा मा कसक
होईबे करी

थे ...

आँख मिल जई है
सजनिया से तो
नाचन लगि हैं
आँख मिल जई है
सजनिया से तो
नाचन लगी है
प्यार की मीठी गजल
प्यार की मीठी गजल
मनवा भी गावन लगी है
झाँझ बजी है तो
कमरिया मा लचक
होईबे करी
झाँझ बजी है तो
कमरिया मा लचक
होईबे करी

नैन लड़ जई हैं
नैन लड़ जई हैं तो

मनवा मा कसक

होईबे करी

प्रेम का छुटी है
पटाका तो धमक
होईबे करी

हो
नैना जब लड़ी हैं
तो भैया
मन में कसक
होईबे करी
हो
नैना जब लड़ी हैं
तो भैया
मन में कसक
होईबे करी
हो
नैना जब लड़ी हैं
तो भैया
मन में कसक
होईबे करी

मन ले गई रे धोबनिया रामा
कैसा जादू डार के
मन ले गई रे धोबनिया रामा
कैसा जादू डार के
हो कैसा जादू डार के
रे कैसा टोना मार के



Literacy for a Billion

मन ले गई रे धोबनिया रामा
कैसा जादू डार के

मन ले गई रे धोबनिया रामा
कैसा जादू डार के
मन ले गई रे धोबनिया रामा

कैसा जादू डार के

ओ ...

मन ले गई रे धोबनिया रामा
कैसा जादू डार के

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.